केन्द्रीयविद्यालय,एन.डी.ए.,पुणे-23

आवधिक परीक्षा (प्रथम)[2018-19]

विषय – हिन्दीउत्तर कुंजी SET-1

अंक 40- - कक्षा-10 अवधि 90 -मिनट

उत्तर 1] क] कवि देश के निर्माण की बात कर रहा है | 1

ख] ऐसे खेल जिन में गहरे मेल हो ताकि सब मिल कर एक अच्छा देश बनाए | 2

ग] बच्चो के अधिकार न छीनने ने की बात हो रही है | 1

घ] सोने की चिड़िया के रूप में | 1

उत्तर 2] क] मिश्र वाक्य 1

ख] वह बाजार जाकर केले लाया | 1

ग] मैने बच्चे को देखा जो स्कूटर चला रहा था | 1

उत्तर 3] क] संज्ञा , जातिवाचक , एकवचन , पुल्लिंग , अधिकरण कारक 1

ख] सर्वनाम , अन्य पुरुषवाचक , एकवचन , पुल्लिंग , कर्ता कारक 1

ग] संज्ञा , व्यक्तिवाचक , स्त्रीलिंग, एकवचन 1

घ] क्रियाविशेषण , कालवाचक 1

4] क] भगत ने अपने बेटे का क्रिया-कर्म बिना तूल के और अपनी पतोहू से अपने पुत्र को मुखाग्नि देकर किया | 1

ख] भगत ने अपने पतोहू के भाई को यह आदेश दिया की वह उससे ले जाए और उसकी दूसरी शादी करा दे | 2

ग] भगत के पतोहू की यह इच्छा थी की वह उनके साथ ही रहे क्योकि वही उनके बुढ़ापे का एकमात्र सहारा थी और उन के जाने के बाद कोई उनका ख्याल रखने के लिए कोई नही था | 2

उत्तर 5] क]सेनानी न होते हुए भी चशमे वाले को लोग कैप्टन इस लिए कहते थे क्योकि 2

उसके अंदर देश भक्ति की भावना कूट कूटकर भरी थी,वह स्वतन्त्रता आंदोलन मेन भाग लेने वाले सेनानियो का बहुत सम्मान करता त , वह बिना चशमे वाली नेताजी की मूर्ति को नहीं देख सकता था तो आपनि तरफ से रोज एक चशमा उस मूर्ति पर चढ़ा देता था |

ख] फादर बूल्के साहित्यिक संस्था परिमल के सभी सदस्यो मेन सबसे बड़े और आदरणीय व्यक्ति थे| वे मानवीय गुणो ने से लबालब थे |उनके हृदय मे सबके लिए कल्याण की कामना थी | वे पुरोहितो के तरहा आशीर्वादों से लोगो को लबालब कर देते थी |उनकी नीले आंखो मे सदैव वात्सल्य दिखाई देता था | 2

ग] लेखक के हिसाब से बिना खाये अगर भूख मिटाई जाती जा सकती है तो बिना पात्र और और घटना की कहानी भी लिखी आ सकती है | 2

उत्तर 6] क] गोपिया कृष्ण को जागते- सोते, दिन में ,स्वप्न में याद करती थी | 1

ख] गोपियों को योग का संदेश कड़वी ककड़ी के समान लगा जिसे नहीं खाया जसकता | 2

ग] क्योकि जिस तरह हारिल पक्षी अपने पंजे में की लकड़ी कभी नही छोड़ता और उसे अपना सहारा मानता है उसी तरह गोपिया कृष्ण को अपना सहारा मान ती है| 2

प्रo7[1] पानी से एव कमल के फूल से। 2

[2] उन्हे कृष्ण के साथ रहकर भी कृष्ण से प्रेम नहीं हैं। 2

[3] उन्हे वह धनुष नया, मजबूत लगा परंतु पुराना व कमजोर होने के कारण टूट गया। 2

[4] यहा ब्राह्मण,गौ व ईश्वर-भक्त पर शूरवीरता नहीं दिखाई जाती अतः उनको मारने से पाप लगता हैं और इनसे हारने मैं बदनामी होती हैं। 2

प्र08 [क] पिता के खाना के बाद भी भोलानाथ की माता उसे कभी तोता,मैना आदि नाम का कौर भरकर खिलाती थी। 3

[ख] भोलानाथ को शांति व प्रेम की छाया उसके माता के गोद मैं मिलती थी।

[ग] उनके सेवा करके और समय पर कार्य पूरा करके और आदि कार्य करके।

प्र08-- स्वनी